आग से सुरक्षा के करें उपाय, जनजीवन को सुरक्षित बनायें

आग से सुरक्षा एवं बचाव की आम जानकारी

- सुनिश्चित करें कि आप के परिवार के सदस्यों को पता हो कि आग लगने की स्थिति में उन्हें क्या करना चाहिए? आग लगने पर बाहर निकलने के रास्तों सहित बिल्डिंग का फ्लोर प्लान बनाएं। फ्लोर प्लान में सीढ़ियों, हॉल तथा खिड़कियों आदि जैसा महत्वपूर्ण ब्यौरा शामिल किया जाना चाहिए, जिसे आग लगने पर बचाव के रास्तों के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।
- खिड़कियों तथा दरवाजों की जांच कर लें, ताकि आग लगने पर इन्हें आसानी से खोला जा सके। आग लगने पर हर स्थिति में बच निकलने का उपाय सुनिश्चित करें।
- घर के बाहर मिलने का सुरक्षित स्थान चुनें, जहां आपातस्थिति में घर के सभी सदस्य एकत्र हो सकें।
- अपने परिवार के अन्य सदस्यों को चौकस रहने का अभ्यास कराएं। प्रत्येक बेडरूम में एक घंटी तथा फ्लैशलाइट रखें। बेडरूम में सोते समय हमेशा दरवाजा बन्द रखें। इस से आप का बेडरूम आग की तपिश तथा धुएं से बचा रहेगा तथा आप को बच निकलने के लिए पर्याप्त समय भी मिल जायेगा।
- आग लगने पर चिल्लाकर दीवारों को थपथपा कर या सीटी आदि बजा कर परिवार के सदस्यों को चौकस करें।
- तैयार रहें और बचाव की योजना बनाएं।
- अपने घर स्कूल, संस्थान अथवा कार्यालय के लिए बचाव/सुरक्षा योजना बनाएं।
- आग से बचने के लिए हमेशा जमीन पर नीचे की ओर रहने का अभ्यास करें क्योंकि सांस में गया थोड़ा सा धुआं अथवा गैस जानलेवा हो सकती है।
- सभी दरवाजों को खोलने से पहले उन पर आग की गर्माहट को महसूस करें। यदि दरवाजे गरम हों तो दूसरे रास्ते से निकल जाएं।
- कपड़ों पर लगी आग को बुझाने के लिए जमीन पर लेट कर रोल होने का अभ्यास करें।
- सुनिश्चित करें की सभी अग्निशमन उपकरण उचित स्थान पर लगे हों और चालू हालत में हों।
- पटाखों को भीड़ वाले स्थानों, तंग गलियों या घर के अन्दर नहीं जलायें।
- अधिक ध्वनि के लिये पटाखों को टिन कंटेनर या कांच की बोतलों से न ढ़कें।

आग से बचाव की अतिरिक्त जानकारी

- धुआं निकलने एवं आग जलने का पता लगाने के लिए धुएं का पता लगाने वाले उपकरण (स्मोक डिटेक्टर) लगाएं। इन उपकरणों की महीने में एक बार जांच करें और साल में एक बार बैटरी बदल दें। ये उपकरण सामान्य से अधिक मात्रा में धुआं उठने अथवा हवा में अदृश्य प्रज्वलनशील गैसों का पता लगाने में सक्षम होते हैं।
- आग लगने की आपातकालीन स्थिति के बाद यदि जरूरत हो तो प्राथमिक चिकित्सा देने का प्रयास करें। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तुरंत डॉक्टरी सहायता देने का प्रयास करें। क्षतिग्रस्त बिल्डिंग से हमेशा दूर रहें। अधिकारियों द्वारा इसे सुरक्षित घोषित कर देने के बाद ही इस में प्रवेश करें।
- घर से बाहर जाते समय अथवा सोते समय हीटर/सींगड़ी/अंगीठी कभी भी जला कर न रखें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को हमेशा इस से दूर रखें।
- बिस्तर पर लेटे अथवा सोते समय सिगरेट न पियें। लापरवाही से जलती हुई सिगरेट फेंकने के कारण आग लगने से होने वाली मृत्यु एक बहुत बड़ा कारण है।
- खाना पकाने के स्थान से ज्वलनशील वस्तुएं दूर रखें और खाना पकाते समय छोटे अथवा टाइट फिटिंग वाले कपड़े पहनें। बर्तनों का हैंडिल अंदर की ओर रखें ताकि वे स्टोव पर बाहर की तरफ न लटकें। यदि बर्तन में तेल अंदर से आग पकड़ ले तो बर्तन को धीरे से ढ़क दें और स्टोव का बर्नर बंद कर दें।
- बच्चों के हाथ में माचिस तथा लाइटर जानलेवा हो सकता है। इन्हें बच्चों की पहुंच से दूर रखें और कोशिश करें कि ये ताले में बंद हों। बच्चों को सिखाएं कि माचिस और लाइटर जैसी चीजें खतरनाक हैं और इन्हें केवल वयस्कों द्वारा इस्तेमाल किया जाना चाहिए।
- यदि किसी भी उपकरण से धुंआ निकल रहा हो अथवा जलने की बदबू आ रही हो तो फौरन प्लग निकाल दें और इसकी मरम्मत करा दें। बिजली की कटी छिली तारों को बदल दें और एक्सटेंशन कार्ड पर अधिक लोड न डालें। फ्यूज़ बाक्स से अनावश्यक छेड़छाड़ न करें और न ही गलत साइज का फ्यूज इस्तेमाल करें।
- यदि कोई जल गया हो तो तुरंत घाव पर 10–15 मिनट तक ठंडा पानी डालें। यदि कोई गंभीर रूप से जल अथवा झुलस गया हो तो तुरंत डॉक्टरों की सलाह लें।

Acknowledgment : NIDM, New Delhi

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण,

राजस्व विभाग–आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जनहित मे जारी।

राज्य आपदा प्रबंधन हैल्पलाईन (टॉल फ्री) - 1070

Email: sdma-hp@nic.in
Website: www.hpsdma.nic.in
Follow us: www.facebook.com/sajaghimachal

राजकीय मुद्रणालय, हि० प्र०, शिमला–1254-राजस्व/16–15-9-2016–100 प्रतियां।